8. पृथ्वी सूक्त के आधार पर पृथ्वी देवता की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

9. ग्रिम नियम के आधार पर प्रथम वर्ण परिवर्तन एवं द्वितीय वर्ण परिवर्तन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

**खण्ड—स** **2×16=32**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'शिवसंकल्पसूक्त' के आधार पर मन की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

11. निरुक्त के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए यास्क की निर्वचन पद्धति समझाइए।

12. सृष्टि विज्ञान की दृष्टि से नासदीय सूक्त का विशद वर्णन कीजिए।

13. 'अशोभन के लिए शोभन भाषा का प्रयोग' भाषाविज्ञान की दृष्टि से उक्त विषय पर एक विशद लेख लिखिए।



# MASA–01

## December – Examination 2023

## M.A. (Previous) Examination

## SANSKRIT

## (वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान)

## Paper : MASA-01

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **80***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **8×2=16**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) अक्ष सूक्त का छन्द क्या है ?

   (ii) पुरुष शब्द की निरुक्ति लिखिए।

   (iii) संहिता पद का क्या अर्थ है ?

(iv) 'दशवाद रहस्य' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

(v) लिपि के विकास की कितनी अवस्थाएँ हैं ?

(vi) कण्ठ्य वर्णों के नाम लिखिए।

(vii) ईषत्स्पृष्ट वर्णों के नाम लिखिए।

(viii) सादृश्य नियम किसे कहते हैं ?

**खण्ड—ब** **4×8=32**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ एवं अन्वय सहित हिन्दी में अनुवाद में कीजिए :

(अ) य आत्मदा बलदा यस्य विश्वे उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।

यस्य च्छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम्॥

**अथवा**

(ब) तम आसीत्तमसा गूलहमग्रेऽप्रकेतं सलिलं सर्वमा इदम्।

तुच्छ्येनाभ्वपिहितं यदासीत्तपसस्तन्महिनाजायतैकम्॥



3. निम्नलिखित में से किसी **एक** मन्त्र की सान्वय व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :

(अ) अग्ने देवां इहावह जज्ञानो वृक्त्बर्हिषे।

असि होता न इड्यः॥

**अथवा**

(ब) ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीत्, बाहू राजन्यः कृतः।

उरूतदस्य यद्वैश्य शूद्रो अजायत् पद्भ्यांः॥

4. वेदों के अपौरुषेयत्व को सिद्ध कीजिए।

5. प्रजापति सूक्त के आधार पर हिरण्यगर्भ की विशेषताओं को लिखिए।

6. अधोलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का निरुक्त के आधार पर निर्वचन कीजिए :

(i) नरक

(ii) पर्वत

(iii) अन्तरिक्ष

(iv) समुद्र

7. अक्षसूक्त के आधार पर जुआरी की मनःस्थिति को स्पष्ट कीजिए।